RE. PLIGHT OF PEOPLE IN BIHAR DUE TO SEVERE DROUGHT

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : उपसभापति जी, राष्ट्रपति जी ने जो अभिभाषण इस वर्ष दिया था उसमें उन्होंने विशेष रूप से बिहार में सूखे की जो स्थिति है उसका जिक्र किया था । इसलिये मैं भारत सरकार से यह कहना चाहता हूं कि ज्ञराष्ट्रपति जी ने जब अपने अभिभाषण में बिहार के सूखे का जिक्र किया तो जो भारत सरकार को बिहार में जो सूखे की स्थिति है, उसे गंभीरतापूर्वक लेना चाहिये था । आज स्थिति यह है कि बिहार के काफी जिलों में भीषण रूप से सूखे की स्थिति के कारण लोग कराह रहे हैं, पीड़ित हैं । उनको पानी नहीं मिल रहा है, उनके खाने के लिये अन्न नहीं है ।

इसलिये मैं आपके माध्यमे से सरकार से कहना चाहता हूं कि बिहार के उन क्षेत्रों में जहां अकाल की स्थिति है सूखे के कारण, वहां फौरन विशेष राहत भेजी जाय और केन्द्रीय सरकार अविलंब एक टीम भेजकर यह देखे कि किन-किन जगहों पर इसकी जरूरत है । पलामू जैसी जगह में और छोटा नागपुर जैसी जगह में लोग पत्ते खाकर जी रहे हैं और वहां ऐसी स्थिति है जिसका मैं वर्णन नहीं कर सकता हूं । सारे अखबारों में ये बातें आती रही हैं । इसलिये मैं चाहता हूं कि सरकार और विशेषकर कल्याण मंत्री जी जरा इधर भी ध्यान दें । यह बिहार के कल्याण की सवाल है और वह उधर देख रहे हैं । मैं चाहूंगा कि सरकार बिहार में अविलंब एक टीम भेजे अकाल की स्थिति के संबंध में और सारी जानकारी सदन के पटल पर रखे ।

RE. ATROCITIES ON WOMEN OF CROATIA AND BOSNIA BY SERBIANS

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल (उत्तर प्रदेश) : जनाब वाईस चेयरमैन साहब, में एक इंतहाई अहम मसले की और आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं और खास तौर पर जो हमारी मारग्रेट अल्वा जी हैं, उनकी खास तौर से तवज्जह चाहता हूं ।सर, बोस्निया के अन्दर पिछले कई महीनों से जो जुल्म हो रहा है उसके बारे में सारे हिन्दुस्तान के अखबरात के अन्दर रोजाना रिपोर्टस आ रही हैं । जहां पर कत्लेआम हो रहा है लोगों का, वहां सबसे ज्यादा अहम की बात यह है कि 30 हजार से लेकर 50 हजार औरतों की अस्मतदरी की गई है और यह ऐनश्योर किया जाता है कि क्रोशियाई और बोस्नियाई जो बाशिन्दे हैं उनकी जो खवातीनें हैं, उनकी अस्मतदारी वहां कैंपों के अन्दर की जा रही है और उसमें 60 साल की बूढ़ी औरतों से लेकर 5 और 6 साल की बच्चियां तक को नहीं छोड़ा गया है और जो जवान लड़कियां हैं उनकी अस्मतदारी करने के बाद ये ऐनश्योर किया जाता है कि वह हामिला हो गई हैं या नहीं । वहां उनको कहा जाता है कि वे 'सर्ब' बाशिन्दों के हराम के बच्चे जनेंगी । ये बराबर कहा जाता है और सिक्योरिटी काऊंसिल ने इसकी बाकायदा तसदीक की है ।

सर, हिन्दुस्तान के अन्दर हमेशा ऐसे मामलात में आवाज उठाई जाती रही है और हमारी पार्लियामेंट इस मसले पर खामोश तमाशाई नहीं बन सकती है । मैं मारग्रेट अल्वा जी से कहूंगा कि वह एक रेजोल्यूशन लेकर आयें गवर्नमेंट की तरफ से और इसकी मज़म्मत करें ताकि हिन्दुस्तान का नाम रोशन हो कि हम ऐसे मामलात में सबसे पहले आवाज उठाते हैं । बहुत-बहुत शुक्रिया

†[] Transliteration in Arabic Script.